संजय कुमार, बि.प्र.से.
विशेष कार्य पदाधिकारी
Sanjay Kumar, B.A.S.
Officer on Special Duty

सत्यमेव जयते

राजभवन,पटना-800022
Raj Bhavan, Patna-800 022
दूरभाष / Ph. : +91-612-2786181
फैक्स / Fax : +91-612-2786178
मो॰ / Mob. : +91-9431833309

पत्रांक- 34 /ओ०एस०डी०/जी०बी० 10 फरवरी, 2021.

सेवा में,

श्री नीतीश मिश्रा,
माननीय सदस्य, बिहार विधान सभा,
112, कौटिल्य नगर,
पटना - 800014.

महोदय,

निदेशानुसार सूचित करना है कि महामहिम राज्यपाल-सह-कुलाधिपति, बिहार को सम्बोधित आपका पत्रांक 68/2021 दिनांक 04.02.2021 प्राप्त हो गया है ।

सादर सूचनार्थ ।

विश्वासभाजन,

10.2.2021

(संजय कुमार)

नीतीश मिश्रा
पूर्व मंत्री
बिहार सरकार

सदस्य
बिहार विधान सभा

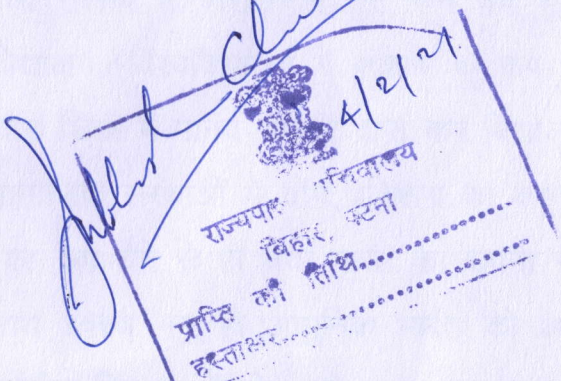

Ref: 68/2021

Dt- 04-02-2021

महामहिम राज्यपाल सह

कुलाधिपति महोदय,

विषयः– **उच्च शिक्षा का केन्द्र महाविद्यालय/विश्वविद्यालय में योग शिक्षा को पाठ्यक्रम एवं संकाय के रूप में प्रारंभ करने के संबंध में।**

योग अभ्यास का एक प्राचीन रूप है, जो भारतीय समाज में हजारों साल पूर्व विकसित हुआ था और उसके बाद से सतत इसका अभ्यास किया जा रहा है। अब सम्पूर्ण विश्व ने इसकी उपयोगिता को माना है। इसमें किसी भी व्यक्ति को सेहतमंद बनाने के लिए, रोगों से छूटकारा पाने के लिए, विभिन्न प्रकार के व्यायाम शामिल है। योग मानसिक आध्यात्मिक और शारीरिक पथ के माध्यम से जीवन जीने की कला सिखाता है।

11 दिसम्बर, 2014 को भारत के माननीय प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी ने संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा में 21 जून को अंतराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा, जिसे 193 देशों में से 175 देशों द्वारा बिना किसी मतदान के स्वीकार कर लिया गया। यू.एन.ओ. ने योग की महत्ता को स्वीकार करते हुए माना कि ''योग मानव स्वास्थ्य एवं कल्याण की दिशा में एक सम्पूर्ण नजरिया है''। कोविड–19 महामारी में भारत की करीब 1.30 अरब आबादी को लड़ने में योगक्रिया का महत्व कारगर साबित हुआ है और आबादी के हिसाब से दुष्प्रभाव कम पड़ा है। 21 जून, 2015 में पहला अंतराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

योग शारीरिक शक्ति को बढ़ाते हुए चित्त की वृत्तियों पर नियंत्रण भी करता है। योग अभ्यास विद्या को महाविद्यालय/विश्वविद्यालय में आवश्यक विधा के रूप में लागू किये जाने की आवश्यकता है। बिहार में किसी भी विश्वविद्यालय में योग विषय की उच्चत्तर शिक्षा संचालित नहीं है। बिहार सदा से ही योग की भूमि रही है।

112, कौटिल्य नगर, पटना 800014
Tel. : 0612 222 6263 Fax : 0612 222 5218 E-mail : nitishmishraoffice@gmail.com
/NitishMishraOfficial @mishranitish www.jhanjharpur.co.in

योग को अंतराष्ट्रीय स्वरूप में विराजमान हुए पाँच वर्ष गुजर गये हैं। योग शिक्षा को सर्वप्रथम महाविद्यालय/विश्वविद्यालय में संकाय के रूप में प्रारंभ करने की आवश्यकता है, योगार्थी योग शिक्षा में मानद उपाधि प्राप्त कर विद्यालयों में योग शिक्षक के रूप में अथवा अन्य सामाजिक संस्थाओं में योग प्रशिक्षण का काम कर सकेगें। योग शिक्षा को एक आंदोलन का रूप देने से ही नया भारत का सपना साकार हो सकेगा। स्वस्थ शरीर के साथ–साथ स्वस्थ मन ही आधुनिक भारत को अग्रिम पंक्ति में ला सकता है। व्यक्ति के सर्वागीन विकास में योग को प्रथम पाठशाला का दर्जा देने की आवश्यकता है।

अतः निवेदन है कि योग अभ्यास शिक्षा को महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों के पाठयक्रम में शामिल एवं संकाय के रूप में पढ़ाई प्रारंभ कराने हेतु समुचित विचार करना चाहेंगे।

सादर,

भवदीय,

Nitish Mishra

(नीतीश मिश्रा) 4.2.21

सेवा में,

महामहिम राज्यपाल सह कुलाधिपति

बिहार,

पटना।